पत्र सूचना कार्यालय (रक्षाविंग)
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः कार्तिक 08,1944
रविवारः 30 अक्तूबर 2022

प्रधानमंत्री ने गुजरात के वडोदरा में निजी क्षेत्र में देश की पहली- सी-295 परिवहन विमान विनिर्माण सुविधा की आधारशिला रखी

टाटा कंसोर्टियम और एयरबस डिफेंस द्वारा भारत में 40 विमान बनाए जाएंगे; मल्टी-रोल सी-295 विमान दिन और रात के दौरान सभी मौसमों में संचालित हो सकते हैं ; तीव्र प्रतिक्रिया और सैनिकों/कार्गो के पैरा ड्रॉपिंग के लिए सुसज्जित

भारत 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है: श्री नरेन्द्र मोदी

"कोविड-19 महामारी, युद्ध और आपूर्ति-श्रृंखला व्यवधानों के बावजूद भारत की विकास गति को बनाए रखा गया है"

भारत कम लागत वाले विनिर्माण और उच्च उत्पादन के अवसर प्रस्तुत कर रहा है: प्रधानमंत्री

"हमारा लक्ष्य 2025 तक अपने रक्षा निर्माण को 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक करना है। हमारा रक्षा निर्यात भी 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा"

रक्षा मंत्री ने विनिर्माण सुविधा को रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' की यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया

"भारतीय वायु सेना की रसद क्षमता को बढ़ाने के लिए सी-295 विमान"

इसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण के माध्यम से सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करना और भारत को शुद्ध रक्षा निर्यातक बनाना है: श्री राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के वडोदरा मेंनिजी क्षेत्र में देश की पहली- सी-295 परिवहन विमान निर्माण सुविधा की आधारशिला रखी। यह सुविधा टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और एयरबस डिफेंस एंड स्पेस एसए, स्पेन के सहयोग से भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए सी-295 विमान का निर्माण करेगी। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है जिसमें किसी निजी कंपनी द्वारा भारत में सैन्य विमान का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 21,935 करोड़ रुपये है। विमान का उपयोग सिविलियन उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री का संबोधन

□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□, □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□, □□□□ □□□□□□, □□□□□, □□□□, □□□□□□□□□□□□□ □□□□□, □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□, □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□, □□□ □□□ □ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□, □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□□, □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□, □□□ □□ □□□□□ □□ '□□□ □□ □□□□□□□' □□□□ □□□□□□□

□□□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□, □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□, □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□, "□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□□□ □□, □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□" □□□□□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□ 100 □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□ '□□□ □□ □□□□□□□, □□□ □□□ □ □□□□□□' □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□□, □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□

[illegible]

[illegible] ‘[illegible]’ [illegible], [illegible] 15 [illegible] 2000 [illegible]

[illegible], [illegible] [illegible]–[illegible] [illegible], "[illegible]" [illegible] 8 [illegible], [illegible] 8 [illegible], [illegible], 100 [illegible], [illegible], 29 [illegible] 4 [illegible], 33,000 [illegible], [illegible], "[illegible]"

[illegible], "[illegible], [illegible], [illegible]" [illegible], [illegible], "[illegible] '[illegible]' [illegible], [illegible]" [illegible]

[illegible], [illegible], “[illegible], [illegible], [illegible]"

[illegible], [illegible],"[illegible]”[illegible], [illegible], [illegible], “[illegible] 8 [illegible], [illegible]”

[illegible],"[illegible], 160 [illegible]" [illegible], [illegible] 61 [illegible] 31 [illegible] 3 [illegible] 2014 [illegible], [illegible] 2000 [illegible] 2014 [illegible] 5 [illegible], [illegible], "[illegible] 2025 [illegible] 25 [illegible] 5 [illegible]" [illegible]–[illegible]–[illegible], "[illegible]

□□-295 □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□-□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□"

□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□,□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□-□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□,"□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□,□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□"

https://twitter.com/narendramodi/status/1586655379601379328

रक्षा मंत्री का संबोधन

अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र की पहली विनिर्माण सुविधा की आधारशिला रखने को रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' की यात्रा में प्रमुख मील का पत्थर बताया। उन्होंने टाटा कंसोर्टियम, एयरबस और परियोजना से जुड़े अन्य संगठनों को बधाई दी और गुजरात के रहने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए उनकी सराहना की।

रक्षा मंत्री ने सी-295 को बेहतर क्षमताओं और वैश्विक मानकों के साथ एक अत्याधुनिक विमान के रूप में वर्णित किया, जो भारतीय वायुसेना की लॉजिस्टिक क्षमता में वृद्धि करेगा। उन्होंने कहा, "यह अत्यंत महत्वपूर्ण और गर्व की बात है कि सभी 56 विमानों को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूइट से सुसज्जित किया जाएगा। देश भर के सैकड़ों एमएसएमई इस परियोजना का हिस्सा होंगे। यह निजी क्षेत्र और डीपीएसयू के सहयोगात्मक प्रयासों से सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने का एक शानदार उदाहरण है।"

श्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों से न केवल सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि भारत को रक्षा उपकरणों/प्लेटफार्मों का शुद्ध निर्यातक बनाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा में निर्मित विमानों की यात्रा आपसी सहयोग, रक्षा सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की यात्रा होगी।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए, रक्षा मंत्री ने श्री नरेंद्र मोदी को एक ऐसा राजनेता बताया, जिनके निर्णय न केवल देश की वर्तमान जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, बल्कि इसे भविष्य का सामना करने के लिए भी सुसज्जित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत'की परिकल्पना को साकार करने के लिए बड़ी प्रगति कर रहा है क्योंकि भारत के लिए दुनिया के सबसे मजबूत राष्ट्रों में से एक बनना आवश्यक है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत की वैश्विक छवि पूरी तरह से बदल गई है। नई दिल्ली अब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक प्रमुख आवाज बन गई है, दुनिया हमें ध्यान और सम्मान के साथ सुन रही है।

https://twitter.com/rajnathsingh/status/1586650673474506752

पृष्ठभूमि

सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने 08 सितंबर 2021 कोएयरबस डिफेंस एंड स्पेस एसए, स्पेन से 56 सी-295 मेगावाट परिवहन विमान की खरीद को मंजूरी दी थी। रक्षा मंत्रालय ने 24 सितंबर 2021 को संबंधित उपकरणों के साथ विमान की खरीद के लिए एयरबस डिफेंस एंड स्पेस एसए के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

समयसीमा

सोलह विमानों की सुपुर्दगी फ्लाईअवे कंडीशन में की जाएगी। इन्हें सितंबर 2023 से अगस्त 2025 के बीच प्राप्त किया जाना है। शेष चालीस का निर्माण वडोदरा विनिर्माण सुविधा में किया जाएगा। 'पहला मेड इन इंडिया' विमान सितंबर 2026 से आने की उम्मीद है।

विमान की क्षमता

सी-295 समकालीन प्रौद्योगिकी के साथ 5-10 टन क्षमता का एक परिवहन विमान है जो भारतीय वायुसेना के पुराने हो रहे एवीआरओ विमान की जगह लेगा। मजबूत और विश्वसनीय, यह एक बहुमुखी और कुशल सामरिक परिवहन विमान है जो कई अलग-अलग मिशन कर सकता है। 11 घंटे तक की उड़ान क्षमता वाला यह विमान सभी मौसमों में बहु-भूमिका संचालन कर सकता है। यह नियमित रूप से रेगिस्तान से समुद्री वातावरण तक दिन और रात के समाघात मिशनों को संचालित कर सकता है। इसमें सैनिकों और कार्गो की त्वरित प्रतिक्रिया और पैरा ड्रॉपिंग के लिए रियर रैंप दरवाजा है। अर्ध-तैयार सतहों से शॉर्ट टेक-ऑफ /लैंड इसकी एक और विशेषता है।

https://twitter.com/SpokespersonMoD/status/1586360271198511104

आत्मनिर्भरता

यह परियोजना भारतीय निजी क्षेत्र को व्यापक प्रौद्योगिकी और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी विमानन उद्योग में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। इससे घरेलू विमानन विनिर्माण में वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप आयात निर्भरता कम होगी और निर्यात में अपेक्षित वृद्धि होगी।

इसके अलावा, एयरबस स्पेन में अपनी विनिर्माण सुविधा में प्रति विमान कुल मानव घंटे के काम का 96% टाटा कंसोर्टियम द्वारा भारत में किया जाएगा। भारत में उपकरणों, जिग्स और परीक्षकों के साथ 13,400 से अधिक डिटेल पार्ट्स, 4,600 सब-असेंबली और सभी सात प्रमुख घटक असेंबली का निर्माण किया जाएगा। इंजन, लैंडिंग गियर, एवियोनिक्स, ईडब्ल्यू सूइट आदि जैसी विभिन्न प्रणालियां एयरबस डिफेंस एंड स्पेस द्वारा प्रदान की जाएंगी और टाटा कंसोर्टियम द्वारा विमान पर एकीकृत की जाएंगी। विमान का परीक्षण टाटा कंसोर्टियम द्वारा एक एकीकृत प्रणाली के रूप में किया जाएगा। विमान का उड़ान परीक्षण किया जाएगा और टाटा कंसोर्टियम सुविधा में डिलीवरी सेंटर के माध्यम से सुपुर्द किया जाएगा।

सभी 56 विमानों में भारतीय डीपीएसयू- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूइट लगाया जाएगा। भारतीय वायुसेना को 56 विमानों की सुपुर्दगी पूरी होने के बाद एयरबस डिफेंस एंड स्पेस को भारत में निर्मित विमानों को सिविल ऑपरेटरों को बेचने और उन देशों को निर्यात करने की अनुमति दी जाएगी, जिन्हें भारत सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है।

रोजगार सृजन

टाटा कंसोर्टियम ने सात राज्यों में फैले 125 से अधिक इन-कंट्री एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं को चिह्नित किया है। यह देश के एयरोस्पेस पारिस्थितिकी प्रणाली में रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और भारत के एयरोस्पेस तथा रक्षा क्षेत्र के भीतर 42.5 लाख से अधिक मानव घंटे के काम के साथ 600 उच्च कुशल नौकरियां, 3,000 से अधिक अप्रत्यक्ष नौकरियां और अतिरिक्त 3,000 मध्यम कौशल रोजगार के अवसर पैदा करने की उम्मीद है। स्पेन में एयरबस सुविधा में लगभग 240 इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रदर्शनी और अन्य उपस्थित लोग

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री ने एक प्रदर्शनी का दौरा भी किया, जिसमें 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत एयरोस्पेस उद्योग में तकनीकी और विनिर्माण प्रगति को प्रदर्शित किया गया। गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत; नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया; गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल; प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान; वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी; रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार; नागरिक उड्डयन मंत्रालय में सचिव श्री राजीव बंसल; टाटा संस के चेयरमैन श्री एन चंद्रशेखरन; एयरबस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी श्री क्रिश्चियन शेरर और उद्योग जगत की हस्तियां भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।

एबीबी/डीएस